डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,
छत्रपति संभाजीनगर ४३१००४

पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम
विषयः हिंदी

प्रश्नपत्र -२

अनुभाग -1 हिंदी साहित्य का इतिहास

1. इतिहास दर्शन और साहित्योतिहास

अ. हिंदी साहित्येतिहास लेखन-परंपरा

आ. साहित्येतिहास लेखन की आधारभूत सामग्री

इ. साहित्येतिहास : पुनर्लेखन की आवश्यकता एवं समस्याएँ.

ई. हिंदी साहित्येतिहास : काल विभाजन एवं नामकरण

2. आदिकाल

अ. आदिकाल की पृष्ठभूमि- सामाजिक,राजनैतिक,सांस्कृतिक,धार्मिक, साहित्यिक

आ. आदिकालीन काव्य-धाराएँ - सिध्द् ,नाथ,जैन, रासो तथा शृंगार काव्य

इ. प्रतिनिधि रचनाकार - सरहप्पा , शालिभद्र.सूरि,गोरखनाथ,चंदबरदायी, नरपति नाल्ह , अमीर खुशरो. विद्यापति.

3. भक्तिकाल

अ. भक्तिकालीन पृष्ठभूमि : सामाजिक,राजनैतिक,सांस्कृतिक,साहित्यिक

आ. भक्ति - काव्य : उद्भावना की विभिन्न मान्यताएँ.

इ. काव्य-धाराएँ : 1. निगुर्ण : संतकाव्य 2. सगुण : राम तथा कृष्ण काव्य 3. सूफी काव्य

ई. प्रतिनिधि रचनाकार : कबीर, नानक, रैदास, तुलसीदास, सूरदास, जायसी,

उ. भक्तिकालीन गद्य - साहित्य

4. रीतिकाल

अ. रीतिकालीन पृष्ठभूमि : सामाजिक,राजनैतिक,सांस्कृतिक,साहित्यिक

आ. काव्य - धाराएँ : 1. रीतिबध्द, 2. रीतिसिध्द, 3, रीतिमुक्त

इ. प्रतिनिधी रचनाकार : केशव , देव, पद्माकर, बिहारी, नृपशंभु, घनान भूषण, रहीम.

ई. रीतिकालीन गद्य - साहित्य

5. आधुनिक काल

1. आधुनिककालीन पृष्ठभूमि : सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक

(अ) हिंदी कविता : विकासात्मक अध्ययन

1.भारतेंदुकालीन कविता - प्रमुख प्रवृत्तियाँ

प्रतिनिधि कवि - भारतेंदु , अंबिकादत्त व्यास,

2. व्दिवेदी युगीन कविता - प्रमुख प्रवृत्तियाँ

प्रतिनिधि कवि - मैथिलीकरण गुप्त, अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔंध

3. स्वच्छंदतावादी कविता

1. छायावादी कविता - प्रमुख प्रवृत्तियाँ

प्रतिनिधि कवि - प्रसाद, पंत, निराला, महादेवी

अन्य काव्याधाराएँ - राष्ट्रीय - सांस्कृतिक काव्यधारा, हालावादी काव्यधारा

बालकृष्ण प्रतिनिधि कवि शर्मा सुभद्राकुमारी चौहान, रामधावी, माखनलाल चतुर्वेदी, सिंह दिनकर, हरिवंशराय बच्चन.

4. प्रगतिवादी कविता - प्रमुख प्रवृत्तियाँ

प्रतिनिधि कवि - केदारनाथ अग्रवाल , नागार्जून,

5. प्रयोगवादी कविता - प्रमुख प्रवृत्तियाँ

प्रतिनिधि कवि - अज्ञेय, धर्मवीर भारती, भारत भूषण

6. नयी कविता - प्रमुख प्रवृत्तियाँ

प्रतिनिधि कवि - गजानन माधव मुक्तिबोध, भवानी प्रसाद मिश्र, रघुवीर सहाय, शमशेर, जगदीश गुप्त, सर्वेश्वरदयाल सक्सेना, श्रीकांत वर्मा,

7. नवगीत - प्रमुख प्रवृत्तियाँ

प्रतिनिधि कवि - डॉ. शंभुनाथ सिंह, वीरेंद्र मिश्र, कुँवर बेचैन

8. समकालिन कविता - प्रमुख प्रवृत्तियाँ.

प्रतिनिधि कवि - धूमिल, केदारनाथ सिंह, राजेश जोशी, उदयप्रकाश

(आ) गद्य - साहित्य : उद्‌भव और विकास

1. कहानी 2. उपन्यास 3. नाटक 4. निबंध 5. आत्मकथा 6. जीवनी 7. रेखाचित्र - संस्मरण, 8. आलोचना

अनुभाग - 2 साहित्यशास्त्र

अ) भारतीय साहित्यशास्त्र

1. काव्यशास्त्र : स्वरुप तथा विकास

क) काव्यशास्त्र : स्वरूप तथा व्याप्ति

ख) भारतीय काव्यशास्त्र का विकास

2. रस-सिद्धांत

क) रस का स्वरूप

ख) रस-निष्पति : भरत का रस-सूत्र तथा लोलट, शंकुक, भट्‌नायक और अभिनव गुप्त की रस-सूत्र व्याख्या

3. अलंकार-सिद्धांत

क) अलंकार-चिन्तन की परम्परा

ख) अलंकार : स्वरूप, महत्व एवं वर्गीकरण

4. रीति-सिद्धांत

क) रीति : स्वरूप और महत्त्व

ख) रीति - भेद

5. ध्वनि-सिद्धांत

क) ध्वनि : स्वरूप तथा महत्त्व

ख) ध्वनि के प्रमुख भेद

6. वक्रोक्ति - सिद्धांत

क) वक्रोक्ति : स्वरूप तथा महत्त्व

ख) वक्रोक्ति के प्रमुख भेद

7. औचित्य-सिद्धांत

क) औचित्य : स्वरूप तथा महत्त्व

ख) औचित्य के प्रमुख भेद

आ)पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का विकास

2. अरस्तु के काव्य - सिद्धांत

क) अनुकरण - सिद्धांत

ख) त्रासदी - सिद्धांत

3. लौंजाइन्स का उदात्त सिद्धांत

क) उदात्त : स्वरुप एवं महत्त्व

ख) उदात्त के अंतरंग, बहिरंग, तथा अवरोधक तत्त्व

4. विलियम वर्डस्वर्थ के काव्य-विचार

क) काव्य : स्वरूप, हेतु, प्रयोजन

ख) काव्य विषय तथा काव्य भाषा

5. टी.एस. इलियट के काव्य-सिद्धांत

क) परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा

ख) निर्वेयक्तिकता का सिद्धांत

ग) वस्तुनिष्ठ समीकरण तथा संवेदनशीलता का असाहचर्य

6. प्रमुख वाद

क) अभिव्यंजनावादी साहित्य चिंतन

ख) मार्क्सवादी साहित्य चिंतन

ग) मनोवैज्ञानिक साहित्य चिंतन

घ) अस्तित्ववादी साहित्य चिंतन

अनुभाग - 3 भाषा विज्ञान तथा हिन्दी भाषा

1. भाषा :

भाषा की परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा विज्ञान-स्वरूप एवं व्याप्ति ।

2. भाषाविज्ञान के अध्ययन की दिशाएँ :

ऐतिहासिक, वर्णनात्मक, तुलनात्मक ।

3. भाषाविज्ञान की शाखाएँ :

कोशविज्ञान, व्युत्पत्ति विज्ञान, लिपि विज्ञान, समाजविज्ञान भाषा भूगोल ।

4. स्वनविज्ञान :

स्वनविज्ञान का स्वरूप एवं शाखाएँ, वागवयव एवं उनके कार्य, स्वन की परिभाषा, स्वन का वर्गीकरण- स्वर वर्गीकरण, व्यंजन वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वन परिवर्तन के कारण दिशाएँ ।

5. स्वनिम विज्ञान :

स्वनिम की परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ, स्वन और स्वनिम में अंतर, स्वनिमिक विश्लेषण, स्वनिम और संस्वन के भेद ।

6. रूप विज्ञान :

रुप विज्ञान की परिभाषा, स्वरूप, रुपिम के भेद, संबंधतत्व और अर्थतत्व, संबंधतत्व के भेद ।

7. वाक्यविज्ञान :

वाक्य की परिभाषा, स्वरुप, अभिहितान्वयवाद अन्तिभिधानवाद, वाक्य की आवश्यकताएँ - योग्यता, आकांक्षा, आसक्ति, वाक्य-विश्लेषण-उ-ेश्य विधेय, आंतरिक सरंचना बाह्य सरंचना, वाक्य के भेद ।

8. अर्थविज्ञान :

अर्थविज्ञान की परिभाषा, स्वरुप, शब्द और अर्थ का संबंध अर्थबोध के साधन पर्यायता विलोमता, अनेकार्थता, अर्थपरिवर्तन की दिशाएँ, अर्थपरिवर्तन के कारण ।

9. भाषाविज्ञान और साहित्य :

साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान के अंगो की उपयोगिता ।

10. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :

प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ - वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत तथा इनकी विशेषताएँ ।

मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ - पालि, प्राकृत, अपभ्रंश तथा इनकी विशेषताएँ ।

अधुनिक भारतीय आर्यभषाएँ - हिंदी , मराठी, गुजराती, सिंधी, पंजाबी, असमिया, उडिया, बांगला, लहँदा तथा इनकी विशेषताएँ ।

11. आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का वर्गीकरण :

हार्नले का वर्गीकरण, जार्ज ग्रियर्सन का वर्गीकरण, सुनीतिकुमार चाटुर्जा तथा हरदेव बाहरी का वर्गीकरण ।

12. हिंदी की उपभाषाएँ तथा बोलियाँ :

पूर्वी हिंदी की बोलियाँ, पश्चिमी हिंदी की बोलियाँ, बिहारी हिंदी की बोलियाँ ।

राजस्थानी तथा पहाडी हिंदी की बोलियाँ, सामान्य परिचय तथा व्याकरणिक विशेषताएँ ।

13. हिंदी का शब्दसमूह :

तत्सम, तद्भव, देशी, विदेशी तथा संकर ।

14. हिंदी का शब्द निर्माण :

उपसर्ग, प्रत्यय, समास ।

15. हिंदी का व्याकरणिक स्वरुप और विकास :

रुप रचना-लिंग, वचन और कारक व्यवस्था ।

16. हिंदी के विविध रूप :

संपर्क भाषा, संचार भाषा, माध्यम भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मातृभाषा ।

17. लिपिविज्ञान :

लिपि का उद्भव और विकास, देवनागरी लिपि उद्भव एवं विकास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, मानकीकरण तथा सुधार ।

अनुभाग - 4 प्रयोजनमूलक हिंदी

खण्ड (क) : कामकाजी हिंदी

1.हिंदी के विभिन्न रुप : सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मातृभाषा

2.कार्यालयी हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य : प्रारुपण, पत्रलेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण

3. पारिभाषिक शब्दावली: स्वरुप, महत्त्व शब्दावली निर्माण के सिद्धांत

4.काम्प्यूटर और हिंदी : कम्प्यूटर का परिचय, इतिहास, महत्व ,उपयोगिता प्रकार, इंटरनेट, ई-मेल ,हिंदी सॉफटवेअर पैकेज.

खण्ड (ख) : अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार

1. अनुवाद : स्वरुप ,प्रक्रिया एवं प्रविधि तथा क्षेत्र
2. अनुवाद : परिक्षण तथा मूल्यांकन
3. कार्यालयी हिंदी और अनुवाद
4. जनसंचार माध्यमों में अनुवाद
5. वैज्ञानिक तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद
6. वैचारिक साहित्य में अनुवाद
7. वाणिजिक अनुवाद.

खण्ड ग : पत्रकारिता

1. पत्रकारिता का स्वरुप ,उद्देश्य महत्व एवं प्रकार
2. समाचार लेखन कला
3. संपादन के आधारभूत तत्व
4. संपादकीय लेखन
5. साक्षात्कार, पत्रकार एवं प्रेस प्रबंधन
6. प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता.

खण्ड घ : मीडिया लेखन

1.विविध जनसंचार माध्यमों का स्वरुप : मुद्रण, श्रव्य, दृक- श्राव्य माध्यम, इंटरनेट

2.श्रव्य माध्यम : रेडिओ

3.मौखिक भाषा प्रकृति /समाचार लेखन, रेडियो नाटक, विज्ञापन, उद्घोषणा , फीचर तथा रिपोर्ताज लेखन

4. दृश्य-श्रव्य माध्यम (दूरदर्शन, फिल्म,वीडियो)

5. दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य-श्रव्य सामग्री का सामंजस्य ,पार्श्ववाचन (वायस ओवर) पटकथा, लेखन, संवाद लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रुपांतरण, डॉक्यूमेंटरी, ड्रामा ,विज्ञापन की भाषा

संदर्भ ग्रंथ

अनुभाग -1 हिंदी साहित्य का इतिहास

1. हिंदी साहित्य का इतिहास- आ. रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा
2. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : भाग । तथा 2 - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिंदी साहित्य का इतिहास - सं.डॉ. नगेंद्र, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा
4. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास - डॉ.सुमन राजे, ज्ञानपीठ प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. माधव सोनटक्के, विकास प्रकाशन, कानपुर
7. हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास - भाग । से 16 - नागरी प्रचारिणी सभा
8. हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्ति - डॉ. शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली

अनुभाग - 2 साहित्यशास्त्र

1. भारतीय काव्यशास्त्र -डॉ. योगेंद्र प्रतापसिंह,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास.- सेठ कन्हैयालाल पोदार, नागरी प्रचारिणी सभा
3. रस-सिद्धांत-डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
4. काव्य रस : चिन्तन और आस्वाद- डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन
5. विश्व साहित्यशास्त्र -डॉ. नगेंद्र, नागरी प्रचारिणी सभा
6. रस मिमांसा- आ. रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा
7. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत -डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन
8. भारतीय काव्यशास्त्र-डॉ. विजयपाल सिंह, जयभारती प्रकाशन इलाहाबाद
9. पाश्चात्य काव्शास्त्र इतिहास : सिद्धांत और वाद -डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
10. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत- डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली
11. पाश्चात्य काव्यशास्त्र-देवेंद्रनाथ शर्मा, मयुर पेपर बैक्स, नोएडा
12. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन-डॉ. बच्चनसिंह, हरियाना साहित्य अकादमी, चंदीगढ
13. समीक्षालोक - प्रा.भगीरथ दीक्षित, समुदय प्रकाशन, मुबंई
14. विश्व काव्यशास्त्र- सं. नगेंद्र, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी
15. आलोचक और आलोचना -डॉ. बच्चनसिंह, नेशनल पब्लिसिंग हाऊस, नई दिल्ली
16. साहित्य सिंद्धात-रेनवेलेक - अस्टिन वारेन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद अनु. पालीवाल
17. नया काव्यशास्त्र-डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय, प्रकाशन
18. अरस्तु का काव्यशास्त्र-डॉ. नगेंद्र, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
19. काव्य में उदात्त तत्त्व-डॉ. नगेंद्र, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
20. पाश्चात्य काव्यशास्त्र-डॉ. विजयपालसिंह, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
21. पाश्चात्य काव्यशास्त्र अनुनातन संदर्भ- सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
22. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिंद्धात-डॉ. मैथिलीप्रसाद भारद्वाज, हरियाणा साहित्य अकादमी, हरियाणा

अनुभाग - 3 भाषा विज्ञान तथा हिन्दी भाषा

1. भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र- डॉ कपिल देव द्विवेदी ।
2. भाषाविज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी ।
3. भाषिकी, हिंदी भाषा तथा भाषाविज्ञान - डॉ. अंबादास देशमुख ।
4. हिंदी भाषा का इतिहास - डॉ. भोलानाथ तिवारी ।
5. सरल भाषाविज्ञान - डॉ. अशोक के शहा ।
6. भाषा और भाषिकी - डॉ. देवीशंकर द्विवेदी ।
7. हिंदी भाषा - डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया ।
8. भाषा विज्ञान - डॉ. दानबहादुर पाठक ।
9. स्वनिम विज्ञान और हिंदी की स्वनिम व्यवस्था - शारदा भसीन ।
10. हिंदी उद्‌भव विकास और रूप - डॉ. हरदेव बाहरी ।
11. भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम एवं हिंदी भाषा - डॉ. अंबादास देशमुख ।

अनुभाग - 4 प्रयोजनमूलक हिंदी

1. प्रयोजनमूलक हिंदी के अधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख
2. प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध आयाम - डॉ. महेंद्रसिंह राणा
3. प्रयोजनमूलक हिंदी - विनोद गोदरे
4. प्रयोजनमूलक हिंदी संरचना एवं अनुप्रयोग - डॉ. रामप्रकाश, डॉ. दिनेश गुप्त
5. प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्‌धांत और प्रयोग- दंगल झाल्टे
6. हिंदी पत्रकारिता : विविध आयाम - डॉ. वेदप्रताप वैदिक
7. कार्यालयीन हिंदी - डॉ. विजयपाल सिंह
8. हिंदी पत्रकारिता का नया स्वरुप - बच्चन सिंह
9. पत्रकारिता विविध विधाएँ - डॉ. राजकुमारी रानी
10. हिंदी पत्रकारिता - डॉ. धीरेंद्रनाथ सिंह
11. फीचर लेखन - डॉ. मनोहर प्रभाकर
12. सूचना प्रौद्योगिकी और जनमाध्यम - प्रो. हरिमोहन
13. साक्षात्कार - मनोहर श्याम जोशी
14. समाचार संपादन - कमल दीक्षित
15. प्रेस कॉन्फ्रेंस और भेटवार्ता - डॉ. नंदकिशोर त्रिखा
16. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. माधव सोनटक्के